मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–007

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.जे.वाई.-007 : संहिता ज्योतिष

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। दिये गए निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $3 \times 20 = 60$

   (क) चन्द्रमा के दशविध संस्थानों के नाम लिखकर उनके फल का वर्णन कीजिए।

   (ख) सूर्य के अयन लक्षण को विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ग) तामसकीलक क्या है ? उनके दर्शन के फल की समीक्षा कीजिए।

(घ) शुक्र की नव वीथियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(ङ) भौम के पञ्च मुखों का लक्षण व फल विवेचन कीजिए।

(च) ग्रहण कालिक राहु के वर्णों का फल विमर्श लिखिए।

खण्ड—ख

2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4\times10=40$

(क) संहिता पदार्थों का वर्णन कीजिए।

(ख) त्रिस्कन्ध ज्योतिषशास्त्र पर निबन्ध लिखिए।

(ग) ग्रन्थानुसार दैवज्ञ लक्षण का वर्णन कीजिए।

(घ) कूर्मचक्र णनिर्माण व फल विवेचन कीजिए।

(ङ) केतु वेधित चन्द्रमा के फल का वर्णन कीजिए।

(च) नक्षत्रचारवशात् गुरु के विशेष फल की समीक्षा कीजिए।

(छ) एकमास में सूर्यचन्द्र ग्रहण का फल लिखिए।

(ज) दकार्गल क्या है ? वर्णन कीजिए।

× × × × ×